भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3895 का उत्तर

सुरागोंडानाकोप्पा में रेलवे स्टेशन

3895. डॉ. प्रभा मल्लिकार्जुन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रस्तावित शिमोगा-शिकारीपुरा-रणबेन्नूर रेलवे लाइन की स्थिति क्या है;

(ख) यह रेलवे लाइन कब तक शुरू हो जाएगी;

(ग) क्या सरकार दावणगेरे जिले के सुरागोंडानाकोप्पा या नैमाती, जो एक तालुक मुख्यालय भी है, में एक रेलवे हॉल्ट/स्टेशन पर विचार कर रही है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार का दावणगेरे जिले के हरिहर शहर में रेलवे अस्पताल और स्कूल को स्तरोन्नत करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): शिवमोग्गा-शिकारीपुरा-राणिबेन्नूरू नई लाइन परियोजना (103 कि.मी.) को कर्नाटक सरकार के साथ लागत भागीदारी के आधार पर मंजूरी दी गई है। कर्नाटक सरकार को

नि:शुल्क भूमि उपलब्ध करानी है और परियोजना के निर्माण की 50% लागत भी साझा करनी है। परियोजना का निष्पादन 2 चरणों में करने की योजना है, शिवमोग्गा से शिकारीपुरा (46 कि.मी.) चरण-I और शिकारीपुरा-राणिबेन्नूरू (57 कि.मी.) चरण-II है। कुल 559 हेक्टेयर आवश्यक भूमि में से, केवल 225 हेक्टेयर भूमि कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा सौंपी गई है। उपलब्ध भूमि पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

कर्नाटक सरकार ने इस परियोजना के लिए रेल मंत्रालय द्वारा मांगे गए 150 करोड़ रुपए के स्थान पर केवल 60.26 करोड़ रुपए जमा किए हैं। बहरहाल, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए इस परियोजना हेतु रेल मंत्रालय द्वारा 150 करोड़ रुपये का परिव्यय उपलब्ध कराया गया है।

सुरागोंडानाकोप्पा गांव को इस परियोजना के प्रस्तावित मल्लापुरा रेलवे स्टेशन द्वारा सेवित किए जाने की योजना है।

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा अपना अंशदान जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष के दौरान कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

हरिहर में रेलवे स्वास्थ्य इकाई पहले से ही 7000 से अधिक पंजीकृत रेलवे स्वास्थ्य लाभार्थियों के साथ-साथ रेल यात्रियों की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित अवसंरचना के साथ कार्यात्मक है।

द्वितीय और तृतीय चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए दावणगेरे में जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, आपातकालीन चिकित्सा वाले रोगियों को दावणगेरे के बापूजी अस्पताल (रेलवे द्वारा सूचीबद्ध) में भी भेजा जा सकता है। हरिहर शहर में कोई रेलवे विद्यालय नहीं है

*****